दैनिक भास्कर

कार्रवाई:स्पिरिट से नकली शराब बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

- नामी कंपनी के नाम पर शराब की पैकिंग की जा रही थी, पुलिस ने पकड़ा

हसनबाजार ओपी के मझिआंव गांव में नकली विदेशी शराब बनाने के फैक्टरी का पर्दाफाश हुआ है। शराब को यहां एक घर में एक नामी कंपनी के नाम पर पैकिंग की जा रही थी। पुलिस के पहुंचने के पहले ही घर का मालिक फरार हो गया, लेकिन इस धंधे में लगे चार लोगो को गिरफ्तार कर लिया।

जिसमें मझिआंव गांव के ढुनमुन प्रसाद के पुत्र मंगल कुमार, गोरख पासवान के पुत्र दीपक कुमार और पंकज कुमार तथा तरारी थाना क्षेत्र के सारा गांव निवासी वृजमोहन पासवान के पुत्र पंकज कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। जिस घर में फैक्ट्री चलाया जा रहा था रुदल साह का पुत्र नीरज कुमार फरार हो गया।

इस स्थान से पुलिस ने प्लास्टिक के दो गैलेन में 80 लीटर कच्चा स्पिरिट, 180 एमएल के 50 प्लास्टिक का बोतल में भरा शराब जिस पर क्रेजी रोमियो लिखा हुआ, 180 एमएल के 1950 खाली बोतल, क्रेजी रोमियो लिखा 400 पीस रैपर और पैकिंग करने वाली मशीन को जब्त किया। शराबबंदी होने के बाद भी शराब के कारोबारियो का हौसला बढ़ता जा रहा है।

घरो में चोरी-छुपे शराब बनाने और कारोबार करने के बाद थाना क्षेत्र में पहली बार फैक्टरी का उद्भेदन किया गया है। इस संबंध में बिहार उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार धंधेबाजों को जेल भेज दिया है।

झारखंड, हरियाणा, यूपी तक शराब तस्करों का सिंडिकेट

यहां के स्थानीय शराब तस्करों का सिंडिकेट झारखंड, हरियाणा व उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ है। पीरो पुलिस अनुमंडल के तस्कर उक्त राज्यों से भी शराब की खेप मंगाते हैं। राज्य में शराबबंदी के बाद भी तस्करों का सिंडिकेट कायम है। पुलिस की छापेमारी के बाद कुछ दिन धंधा मंदा पड़ता है। जिसके बाद बदस्तूर हो जाती है शराब की तस्करी।

Source: https://www.bhaskar.com/local/bihar/patna/piro/news/spirit-busting-fake-liquor-factory-busted-four-arrested-127975163.html